



कोचने की तारीफ
कहा- फिटनेस
और फॉर्म बदलार
विराट के भविष्य को
लेकर सवाल ही नहीं
उठा-14

6th
वार्षिकोत्सव
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

मार्गशीर्ष शुक्र पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत् 2082

अमृत विचार

| अयोध्या |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बैंगला कानपुर
मुमादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 109, पृष्ठ 14 मूल्य 6 लप्ते

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिषद में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को गांधीनीतिक ड्रामा का रूपांचल नहीं बनाना चाहिए, बल्कि काम का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे गांधीनीति में रखना चाहता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार है। मोदी ने संसद की कार्यवाही वाधित करने के लिए, विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की आवाना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, निशाना का मंच होना चाहिए, न कि नारों पर। विहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हांगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही उत्पादित राधाकृष्णन को राजसभा बार बार वाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है,



संसद सत्र की कार्यवाही के पहले दिन मोदी प्रधानमंत्री मोदी, रवास्य मंत्री जपी नद्दा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरण रीजीजू। ● एजेंसी

शानदार जीत से उत्थानित मोदी ने विपक्षी दलों पर कठाक लगाते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसे कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना चाही है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। विहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हांगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही उत्पादित राधाकृष्णन को राजसभा बार बार वाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है,

वह अब जनता को बैंकारी नहीं है। मोदी

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हांगामे के कारण सदन की

निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजेंसी

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

● एजें

पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराएँ : डॉ. बिजेंद्र

विभागाध्यक्षों व प्राचार्यों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में बोले कुलपति, दिए निर्देश

अयोध्या कार्यालय।



तैयारी

● सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी की नियरारी में हो परीक्षाएँ

कर रहे थे। बैठक में संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य आज से शुरू हो रहीं परीक्षाएँ। सूचितापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से कराए। ये निर्देश सोमवार को डॉ. रामपाल रत्नाराज लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दिये। वह विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक

परीक्षाएँ कराई जाएँ। परीक्षा

प्राप्त करें और परीक्षा के बाद परीक्षा पुस्तिकाओं को उन्हीं केन्द्रों पर जमा करायें। सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य द्वारा केंद्रीयक्ष होंगे। आवश्यक कक्षों पर केंद्र व्यवस्थापक कक्षों के आई-कार्ड और आधार कार्ड अवश्य रखें।

पिटिंग प्लान मिक्सिंग करें

तैयार किया जाए, एक विषय अवसर पर कुलसचिव विनय

के विद्यार्थी साथ न बैठें।

कुलपति ने कहा कि सभी

परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी

कैमरे की नियरारी में सूचितापूर्ण

प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व

प्रोग्राम रवि मालवीय, गिरिश

कुलपति ने कहा कि परीक्षा

डॉ. एक गौतम एवं कंप्यूटर

तरीके से प्रश्न पत्र पत्र आदि मौजूद रहे।

स्नातक तृतीय व पंचम सेमेस्टर और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ आज से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत डॉ.

रामपाल रत्नाराज विश्वविद्यालय के

आवासीय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की

सत्र 2025-26 स्नातक तृतीय व पंचम सेमेस्टर

और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ

अंतर्गत 02 दिसंबर से 08 दिसंबर तक विश्वविद्यालय से अवश्य

अनुमति लेनी होगी। इस

तैयार किया जाए, एक विषय अवसर पर कुलसचिव विनय

के प्रश्न पत्र पत्र आदि मौजूद रहे।

कुलपति ने कहा कि परीक्षा

डॉ. एक गौतम एवं कंप्यूटर

तरीके से प्रश्न पत्र पत्र आदि मौजूद रहे।

पेड़ सेटकराई बाइक युवक धायल

मर्वई, अयोध्या, अमृत विचार।

मर्वई थाना क्षेत्र के दुल्लापुर-

उमापुर संपर्क सम्बन्ध पर सोमवार

दोपहर दुल्लापुर गांव के निकट

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर

सड़क किनारे

पेड़ से टकरा

गई। हादरसे में

बाइक सवार

बबलू (40)

निवासी रतनपुर थाना बाबा बाजार

घायल हो गया। उसको सोनीचपाटी

मर्वई से चिकित्सकों ने गंभीर

हालात में जिला अस्पताल रेफर कर

दिया। हल्का दरोगा इदरीश खान ने

बताया कि उहें इस घटना के बारे में

जानकारी नहीं है।

रामनगर में भी पंचायत सचिवों ने

काली पट्टी बांधकर सोमवार से विरोध

प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध चार

ग्राम पंचायतों के मूल कार्य प्रभावित

हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि माने

जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाए। सांकेतिक हड्डताल

के समर्थन में ग्राम पंचायत अधिकारी

संघ के अध्यक्ष अनुज वर्मा समेत

आशीर्वाद, सुमित पांडे, यशवंत

सिंह, कुंवर स्वरूप, शैलेंद्र सिंह,

नागेंद्र कुमार, नीरज गोंड, श्रीकंत

वर्मा, आलोक भास्कर, जुगल किशोर

और प्रीतो कुमार सामित के विरोध

मौजूद रहे।

रामनगर में भी पंचायत सचिवों ने

काली पट्टी बांधकर सोमवार से विरोध

प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध चार

ग्राम पंचायतों के मूल कार्य प्रभावित

हो रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि माने

जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाए। सांकेतिक हड्डताल

के समर्थन में ग्राम पंचायत अधिकारी

संघ के अध्यक्ष अनुज वर्मा समेत

आशीर्वाद, सुमित पांडे, यशवंत

सिंह, कुंवर स्वरूप, शैलेंद्र सिंह,

नागेंद्र कुमार, नीरज गोंड, श्रीकंत

वर्मा, आलोक भास्कर, जुगल किशोर

और प्रीतो कुमार सामित के विरोध

मौजूद रहे।

रामनगर में भी पंचायत सचिवों ने

काली पट्टी बांधकर सोमवार से विरोध

प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध चार

ग्राम पंचायतों के मूल कार्य प्रभावित

हो रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि माने

जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाए। सांकेतिक हड्डताल

के समर्थन में ग्राम पंचायत अधिकारी

संघ के अध्यक्ष अनुज वर्मा समेत

आशीर्वाद, सुमित पांडे, यशवंत

सिंह, कुंवर स्वरूप, शैलेंद्र सिंह,

नागेंद्र कुमार, नीरज गोंड, श्रीकंत

वर्मा, आलोक भास्कर, जुगल किशोर

और प्रीतो कुमार सामित के विरोध

मौजूद रहे।

रामनगर में भी पंचायत सचिवों ने

काली पट्टी बांधकर सोमवार से विरोध

प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध चार

ग्राम पंचायतों के मूल कार्य प्रभावित

हो रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि माने

जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाए। सांकेतिक हड्डताल

के समर्थन में ग्राम पंचायत अधिकारी

संघ के अध्यक्ष अनुज वर्मा समेत

आशीर्वाद, सुमित पांडे, यशवंत

सिंह, कुंवर स्वरूप, शैलेंद्र सिंह,

नागेंद्र कुमार, नीरज गोंड, श्रीकंत

वर्मा, आलोक भास्कर, जुगल किशोर

और प्रीतो कुमार सामित के विरोध

मौजूद रहे।

रामनगर में भी पंचायत सचिवों ने

काली पट्टी बांधकर सोमवार से विरोध

प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध चार

ग्राम पंचायतों के मूल कार्य प्रभावित

न्यूज ब्रीफ

इसौली के पूर्व विद्यायक
के केस में बहस 8 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : इसौली के पूर्व विद्यायक दंवद्धर सिंह सूरा और तीन अन्य पर गाली-गलौज व हत्या की घटकी देखे के मामले में सोमवार को विशेष कोर्ट एमपी-एमएल मरिजिट्रेट शुभम दर्मा की अदालत में बहस के लिए 8 दिसंबर की तारीख नियत की गई है। धनपत जनान थाना क्षेत्र के मारण गाव में 18 जून 2020 को नाली के पानी को लेकर हुए विद्यायक में गांव के बैजनाथ नियाद की तहरीर पर मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने वहन्द्र सिंह सूरा, फूलतालन नियाद, रोशन सिंह और पूर्व सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

आप सांसद के केस में दरोगा की गवाही दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ ● आचार सहित उल्लंघन से एमएल मरिजिट्रेट कोर्ट जुड़ा मामला में चल रहे मुकदमे में सोमवार का साक्षी थानाधीश प्रवीण कुमार यादव की गवाही दर्ज की गई। बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी की। कांटे ने शेष अधियोजन साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9 दिसंबर की अगली तारीख नियत कर दी है। बिहुआकला थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव दर्वा ने 13 अप्रैल 2021 को आम आदमी पार्टी से राज्य सभा सांसद संजय सिंह समेत 13 लोगों के खिलाफ नामजद व अज्ञात लोगों के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

विजय नारायण हत्याकांड में 3 आरोपियों को तलब करने की अर्जी पर सुनवाई अब 8 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : डॉपटी डीलर विजय नारायण सिंह हत्याकांड में तीन अंतिरिक आरोपियों को तलब कर मुकदमे लाने की पीढ़ीत पक्ष की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। वहीं आरोपी अजय प्रसाद सिंह की तरफ से तलावी अर्जी पर उनके वकील सुरेन्द्र उपाध्याय ने आपति दाखिल की है। न्यायाधीश संन्ध्या और्धी ने मामले की सुनवाई के लिए अगली तिथि 8 दिसंबर तय की है। पीढ़ीत पक्ष के वकील अविवादित रिहाय राजा ने विनय तिवारी, दीपक मिश्र समेत तीन को भी मुकदमे में शामिल करने की मांग की है। यह अर्जी अधियोजन गवाह विनय नारायण सिंह की गवाही के आधार पर दाखिल की गई है। अब उन्हें दिसंबर की अदालत इस महत्वपूर्ण अर्जी पर नियन्त्रित होगी।

जानलेवा हमले के मामले में सुनवाई 8 जनवरी को

सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना बंधुआ कला के पूरे शीतल मझना में दुर्ऋश यादव पर 10 माह पूर्व हुए जानलेवा हमले के मामले की सुनवाई सोमवार को अधियोजन गवाह के अनुप्राप्त रहने के कारण लाल गई। अदालत ने अगली तिथि 8 जनवरी की विधायिकाओं की है। बचाव पक्ष के अधिकारी अशोक शुक्ला ने बताया कि 31 जनवरी की शाम दुर्ऋश समयान्तरित करने की तरीफ नारायण सिंह की गवाही के आधार पर विसुद्ध धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में आरोप तय हो युके हैं। और अधियोजन साक्ष्य के बरण में विचाराधीन है।

अनामिका और सुजल ने लगाई सबसे तेज दौड़

सुलतानपुर, अमृत विचार : शहपुर लपटा मानिंगपुर खेल मैदान में सदर विधानसभा सरीरी ग्रामीण खेल लीग का शुभारंभ विद्याक रज प्रसाद उपाध्याय ने किया। प्रातिविधिक पार्टी की प्रियंका मोर्या के नेतृत्व में हुई रप्पर्टोंमें एफले दिन अंतिरिक शुभमान के अंतर्गत राजीव गांधी ने एफले दिन अंतिरिक शुभमान के अंतर्गत राजीव गांधी को अप्रूपत रहने के कारण लाल गई। अदालत ने अगली तिथि 8 जनवरी की विधायिकाओं की है। बचाव पक्ष के अधिकारी अशोक शुक्ला ने बताया कि 31 जनवरी की शाम दुर्ऋश समयान्तरित करने की तरीफ नारायण सिंह की गवाही के आधार पर विसुद्ध धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में आरोप तय हो युके हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

सुलतानपुर

104 केंद्रों पर परीक्षा देंगे 76,694 परीक्षार्थी

यूपी बोर्ड परीक्षा: बोर्ड ने जारी किया परीक्षा केंद्रों की अनंतिम सूची, चार दिसंबर तक मांगी गई आपति

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से इंटरमीडिएट व हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्रों की अनंतिम सूची सोमवार को फाइल मुहर लगात है तो इस बार 104 केंद्रों पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कुल 76 हजार 694 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। बीते साल की बोर्ड परीक्षा के हिसाब से इस बार 2,972 परीक्षार्थी कम हो गए हैं।



शहर के राजकीय इंटर कॉलेज को बनाया गया बोर्ड परीक्षा केंद्र।

वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय शामिल

जिले में माध्यमिक शिक्षा परिषद के आदेश के बैजनाथ नियाद की तहरीर पर मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने वहन्द्र सिंह सूरा, फूलतालन नियाद, रोशन सिंह और पूर्व सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

आप सांसद के केस में दरोगा की गवाही दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ

• आचार सहित उल्लंघन से जुड़ा मामला

में चल रहे मुकदमे में सोमवार का साक्षी थानाधीश प्रवीण कुमार यादव की गवाही दर्ज की गई।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख नियत किया है।

बचाव पक्ष के वकील रुद्रप्राप्य

शिंह मदन ने दरोगा की विरह पूर्णी

की। कांटे ने शेष अधियोजन

साक्ष्य की सुनवाई के लिए 9

दिसंबर की अगली तारीख निय

ॐ अत्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समझ रुप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। किंतु ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरूआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म घेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मिलिन घित एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अघेतन मन के महासागर को पार करते हुए घेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरुहोत है। पूर्व में कृत कर्मशाशि जब पहाड़ जैसा चट्ठानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। स्त्री पूजा-पर्णी, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के साथर धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बैठरने के फेर में चता पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-आध्यात्म पथ का अन्यान विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पाड़ियों में नहीं उलझता। धर्म-आध्यात्म की शुरूआत धर्मिका की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मवित्तन के साथ साधक की समझ भी सूख मोहती होती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, प्रदानिष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद असंदेह मार्ग के प्रवेश मिलता है।

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे हुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरुहोत का जाने हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अपना वाहन बनाया और अपनी ध्यान को उसी वृषभ के निह से सुखोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पुश्यों का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया।



डॉ. प्रदीप दिक्षित 'राम' आध्यात्मिक लेखक

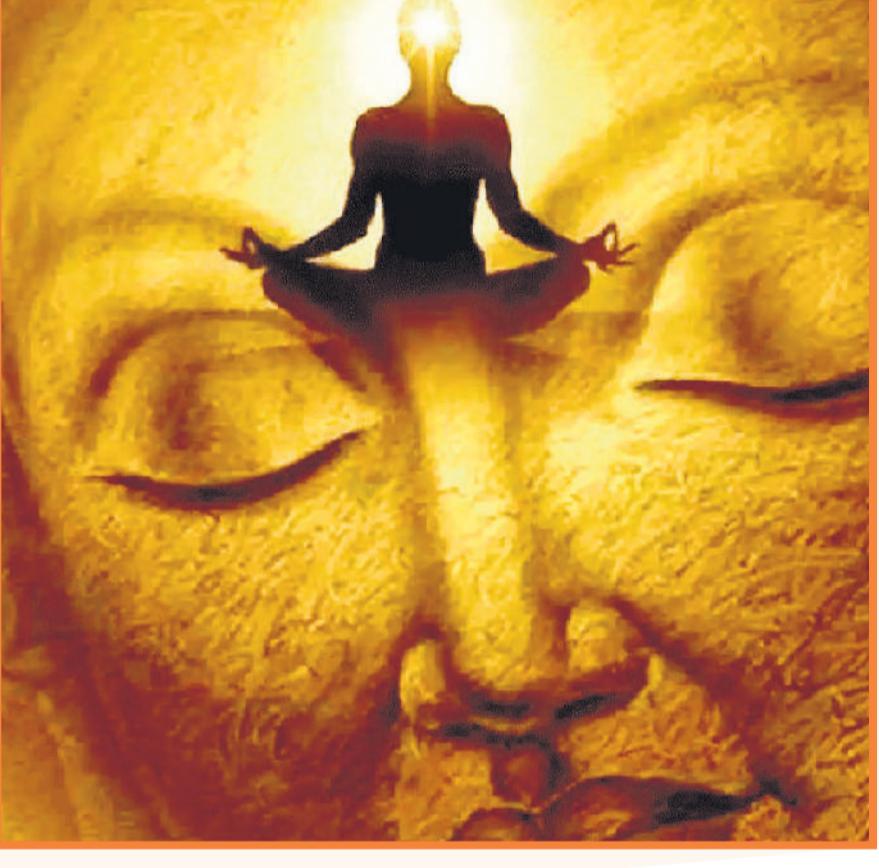
का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुव के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरूप हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। हमारे लिए सहज मूलभूत है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी धर्म की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मार्ग अपनी कीमत मांगता है, जो जीव जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-आध्यात्म पथ का अन्यान विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पाड़ियों में नहीं उलझता। धर्म-आध्यात्म की शुरूआत धर्मिका की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मवित्तन के साथ साधक की समझ भी सूख मोहती होती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, प्रदानिष्ठा विवेक के बाद असंदेह मार्ग के प्रवेश मिलता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरुहोत है। पूर्व में कृत कर्मशाशि

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

घित के प्रक्षलन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद हाजार बार प्रयास करने का जीवत और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अद्यम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मवोध से लेकर तत्त्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता है। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी विश्वित के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और दर-स्वर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ वार असाधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काढ़ों की चिता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कीन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन सरिंधर करता है, कौन समर्थन इसकी गणना करनी होती है? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।



संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुखवस्थित एवं सुसुसंकृत जीवनयोग्यता करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्तमता में मानवदेव जीको बहुत सी गौण और एक बैल दिलवा। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अथात वैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्यान को उसी वृषभ के निह से सुखोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पुश्यों का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया।

डॉ. रजेन्द्र कुमार
सेवनितुष्टप्रैक्षर

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुखवस्थित एवं सुसुसंकृत जीवनयोग्यता करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्तमता में मानवदेव जीको बहुत सी गौण और एक बैल दिलवा। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अथात वैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्यान को उसी वृषभ के निह से सुखोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पुश्यों का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया।



व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ तो वर्तमान एवं अन्य जीवनांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा कृत कार्यों का समाप्तन मूल्य के उपरांत सुक्ष्म शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समाप्तन मूल्य के उपरांत सुक्ष्म शरीर पर आरूढ़ वार असाधक इसके लिए व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुखवस्थित एवं सुसुसंकृत जीवनयोग्यता करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्तमता में मानवदेव जीको बहुत सी गौण और एक बैल दिलवा। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अथात वैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्यान को उसी वृषभ के निह से सुखोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पुश्यों का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया।

प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बाध हो जाता है कि जीवन के घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक विभिन्न प्रवाह करते हैं। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन के विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः यहें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पर आधात्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अधिकार रखता है। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्त्व के रूप में विकसित हुआ है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जीवनांतरों में स

